एम.पी.ए.- 032

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.डी.आर.आर.एम.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों में नामांकित छात्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए. 032

पारिस्थितिकी और पर्यावरण

सामाजिक विज्ञान विधापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम मार्गदर्शिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में, सत्रीय कार्य का भारांक 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भारांक 70% होता है।

आपको चार क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए शिक्षक अंकित सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। यह पाठ्यक्रम, **"पारिस्थितिकी और पर्यावरण" (एम.पी.ए. 032)**, चार क्रेडिट का है। इस सत्रीय कार्य में टीएमए है, जिसके कुल अंक 100 हैं, और इसका 30 प्रतिशत भारांक होता है।

सत्रीय कार्य का प्रयास करने से पहले, कृपया कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और यह आवश्यक है कि आप टीएमए में पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। आपके उत्तर एक निश्चित प्रश्न के लिए निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। सत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन–क्षमता में सुधार होगा, और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेगा।

जैसा कि कार्यक्रम मार्गदर्शिका में बताया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) जमा करने की प्रक्रियाः

प्रवेश सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	जमा करने का स्थान
जुलाई 2024 सत्र में नामांकित विधार्थी	31 मार्च 2025	विधार्थी के अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास
जनवरी 2025 सत्र में नामांकित विधार्थी	30 सितंबर 2025	

आपको जमा किए गए सत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी चाहिए, और इसे सुरक्षित रखना चाहिए। यदि संभव हो, तो सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र को सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करने के बाद, आपको सत्रीय कार्य वापस करना होगा। कृपया इसे सुनिश्चत कीजिए। अध्ययन केंद्र, सत्रीय कार्य के अंकों को इग्नू, नई दिल्ली के छात्र मूल्यांकन प्रभाग में भेजता है।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार लिखिए। इस संदर्भ में, आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगाः

1) **योजनाः** सत्रीय कार्य में पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें, और उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के बारे में कुछ बिंदु बनाएं, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** उत्तर की प्राथमिक रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक रहें। विशेषतः भूमिका और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

- तार्किक और संगत हो;
- वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और
- उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो, जिसमें आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर्याप्त हो।

3) **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो अंतिम संस्करण को प्रस्तुत करने के लिए साफ–सुथरे ढंग से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कीजिए। यह सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर हो।

शुभकामनाएं!

कार्यक्रम समन्वयक
लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विधापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

एम.पी.ए–032 पारिस्थितिकी और पर्यावरण
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए..032
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी. / टी.एम.ए. / जुलाई 2024–जनवरी 2025
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड I और खंड II शामिल हैं। प्रत्येक खंड में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 400 शब्दों में देने हैं। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खंड – I

1) पारिस्थितिकी और पर्यावरण के बीच संबंध का उल्लेख कीजिए। 10

2) किस प्रकार से निर्भरता, अनुकूलन, संशोधन और शोषण प्रक्रियाएँ मानव–पर्यावरण संबंधों पर प्रभाव डालती हैं? 10

3) पर्यावरण की सुरक्षा में कानून की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 10

4) वितरणात्मक और प्रक्रियात्मक न्याय की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए। 10

5) 'पर्यावरण के प्रति जागरूक एक नागरिक समाज का प्रतिचित्रण, पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका को सुगम बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।' व्याख्या कीजिए। 10

खंड – II

6) 'जलवायु परिवर्तन को समझने के लिए, इसके पीछे के विज्ञान को समझना उचित है।' व्याख्या कीजिए। 10

7) असमानता और जलवायु परिवर्तन के मध्य जटिल संबंध का वर्णन कीजिए। 10

8) जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए चार मुख्य तंत्रों की व्याख्या कीजिए। 10

9) सतत विकास के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालिए। 10

10) सतत विकास की कुछ चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। 10